अन्तर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव २०२१ के अन्तर्गत

हरियाणा ग्रंथ अकादमी एवं

दयानंद महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित विचार गोष्ठी में आपका स्वागत है।

विषय- 'गुरवाणी-मानवी आज़ादी दा प्रवचन'

स्थान - पुस्तक मेला पवेलियन, स्टॉल 773 से 778 तक, ब्रह्म सरोवर, कुरुक्षेत्र

शनिवार, 11 दिसम्बर, 2021 समय - प्रातः 11:30 बजे

मुख्य अतिथि - स. गुरविंदर सिंह धमीजा (उपाध्यक्ष, हरियाणा पंजाबी अकादमी, पंचकूला)

अध्यक्ष - डॉ. वीरेन्द्र सिंह चौहान (उपाध्यक्ष व निदेशक, हरियाणा ग्रंथ अकादमी)

मुख्य वक्ता - प्रो. परमजीत कौर, (प्रोफेसर, पंजाबी विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र)

- विशिष्ट अतिथि -

डा. कुलदीप सिंह (अध्यक्ष, पंजाबी विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र)

आमंत्रित विद्वान : डॉ. सोनिया चौहान, डॉ. आरती अग्रवाल, डॉ. रुक्मेश चौहान, डॉ. मनजीत कौर

-निवेदक-

हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकूला

दयानंद महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र

नोट : बिना मास्क प्रवेश निषेध, मास्क अवश्य पहनकर आएं।

पंजाबी साहित्य परिषद

दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र एवं हरियाणा ग्रन्थ अकादमी, पंचकूला के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 11-12-2024 को अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती में 'गुरबाणी : मानवी आजादी दा प्रक्चन' विषय पर आयोजित विचार-गोष्ठी में उपस्थित छात्राओं की सूची:

S.No	Name	Class	RollNo	Sign.
1.	Satvinder Kaur	B.A Ist	12120920002024	Satvinder Kaur
2.	Parwinder Kaur	B.A Ist	12120920002038	Parvinder Kaur
3.	Aneha	B.A Ist	12120920002044	Aneha
4.	Seema	B.A Ist	12120920002050	Seema
5.	Ankita	B.A Ist	12120920002085	Ankita
6.	Simranjeet Kaur	B.A Ist	12120920022801	Simranjeet Kaur
7.	Kajal	B.A Ist	12120920002042	Kajal
8.	Simran	B.A IInd	120209002021	Simran
9.	Suman	B.A IInd	120209002108	Suman
10.	Ritika	B.A IInd	120209002118	Ritika
11.	Manpreet Kaur	B.A IInd	120209002123	Manpreet Kaur
12.	Kirandeep Kaur	B.A IInd	120209002136	Kirandeep Kaur
13.	Prachi Devi	B.A IInd	120209002144	Bhadi Devi
14.	Prachi	B.A IInd	120209002209	Prachi
15.	Kajal	B.A IInd	120209002251	Kajal
16.	Muskan	B.A IIIrd	3148420018	Muskan
17.	Jaspreet Kaur	B.A IIIrd	3148420044	Jaspreet Kaur

18.	Ritu	B.A IIIrd	3148420061	Ritu
19.	Kajal	B.A IIIrd	3148420075	Kajal
20.	Navneet kaur	B.A IIIrd	3148420086	Navneet Kaur
21.	Anju Bala	B.A IIIrd	3148420087	Anju Bala
22.	Poonam	B.A IIIrd	3148420093	Poonam
23.	Ranjana	B.A IIIrd	3148420094	Ranjna
24.	Pooja Sharma	B.A IIIrd	3148420138	Pooja Sharma
25.	Manju	B.A IIIrd	3148420145	Manju
26.	Amanpreet Kaur	B.A IIIrd	3148420154	Amanpreet Kaur
27.	Harjeet Kaur	B.A IIIrd	3148420173	Harjeet Kaur
28.	Harjot kaur	B.A IIIrd	3148420201	Harjot
29.	Anu Sharma	B.A IIIrd	3148420216	Anu Sharma
30.	Kavita	B.A IIIrd	3148420227	Kavita

विचार गोष्ठी में सम्मिलित प्राध्यापिकाएं

1. डॉ० मनजीत कौर
2. डॉ० सोनिया रानी
3. डॉ० आरती अग्रवाल
4. डॉ० रुकमेश चौहान

उमंग
माइंड वेदा
साहित्य क्रिकेट
माइंड वेदा
"घर घर कला
घर घर साहित्य"
गल संकल्प
MIND VEDA
ASTER CLASS SERIES
माइंड वेदा
मास्टर क्लास शृंखला

दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र

प्रैस–नोट

दिनांक 11.12.2021

आज दिनांक 11.12.2021 को दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरूक्षेत्र द्वारा हरियाणा ग्रन्थ अकादमी, पंचकूला के संयुक्त तत्वाधान में 'गुरबाणीः मानवी आजादी दा प्रवचन' विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह संगोष्ठी अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव 2021 के अन्तर्गत ब्रह्म सरोवर, कुरूक्षेत्र में आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में अध्यक्ष के रूप में डॉ0 वीरेन्द्र सिंह चौहान, उपाध्यक्ष एवं निदेशक, हरियाणा ग्रन्थ अकादमी, पंचकूला, मुख्य वक्ता प्रो0 परमजीत कौर, पंजाबी विभाग, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ0 कुलदीप सिंह, अध्यक्ष पंजाबी विभाग, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र उपस्थित रहे। इस अवसर पर दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरूक्षेत्र की प्राध्यापिकाएं डॉ0 सोनिया चौहान, डॉ0 रूकमेश चौहान, डॉ0 मनजीत कौर तथा डॉ0 आरती अग्रवाल आमंत्रित विदूषियों के रूप में उपस्थित रहीं। दीप–प्रज्ज्वलन से कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। सर्वप्रथम डॉ0 सोनिया चौहान, डॉ0 रूकमेश चौहान, डॉ0 मनजीत कौर तथा डॉ0 आरती अग्रवाल ने गुरबाणी में निहित मानवीय आजादी के विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता परमजीत कौर ने मनुष्य के आंतरिक अवगुणों एवं मानसिक बेड़ियों से मुक्त होना मानवी आजादी का मूल बताया। विशिष्ट अतिथि कुलदीप सिंह ने सभी गुरू साहिबान के द्वारा निर्देशित पथ पर आलोक डालते हुए कहा कि प्रत्येक मनुष्य को अपने भीतर के भय से आजाद होना चाहिए। मानसिक परतन्त्रता ही सबसे बड़ा अभिशाप है। अध्यक्षीय सम्भाषण में हरियाणा ग्रंथ अकादमी के उपाध्यक्ष एवं निदेशक डॉ0 वीरेन्द्र सिंह चौहान जी ने दस गुरूओं के अप्रतिम शौर्य एवं बलिदान गाथा का बखान किया और अपने पुरखों की ज्ञान परम्परा का अनुसरण करने के लिए उपस्थित छात्राओं को प्रेरित किया। उन्होंने श्री कृष्ण के योगी एवं क्रान्तिकारी रूप को भी विश्लेषित किया। इस कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ0 सोनिया चौहान द्वारा किया गया। इस दौरान एक सांस्कृतिक साहित्य प्रश्नोतरी भी आयोजित हुई, जिसमें छात्राओं ने बढ़–चढ़ कर भाग लिया एवं पुरस्कार भी प्राप्त किए। महाविद्यालय की प्राचार्या ने सभी सम्मिलित प्राध्यापिकाओं को बधाई दी, उन्होंने कहा कि गुरबाणी मनुष्य को शारीरिक रूप से ही नहीं बल्कि मानसिक रूप से भी आजाद रहने के लिए प्रेरित करती है। वर्तमान में गुरबाणी में निहित शिक्षाएं हम सभी को व्यावहारिक जीवन में अपनाने की आवश्यकता है। अन्त में धन्यवाद ज्ञापन के साथ विचार गोष्ठी का समापन हुआ।

पंजाब केसरी

13 दिसम्बर 2021

मानवी आजादी दा प्रवचन विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन

गोष्ठी में भाग लेते सदस्य। (अरोड़ा)

कुरुक्षेत्र, 12 दिसम्बर (विनोद अरोड़ा) : दयानन्द महिला महाविद्यालय द्वारा हरियाणा ग्रन्थ अकादमी, पंचकूला के संयुक्त तत्वावधान में गुरबाणी: मानवी आजादी दा प्रवचन विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह संगोष्ठी अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव 2021 के अन्तर्गत ब्रह्मसरोवर में आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में अध्यक्ष के रूप में डा. वीरेन्द्र सिंह चौहान, उपाध्यक्ष एवं निदेशक, हरियाणा ग्रन्थ अकादमी, पंचकूला, मुख्य वक्ता प्रो. परमजीत कौर, पंजाबी विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में डा. कुलदीप सिंह, अध्यक्ष पंजाबी विभाग, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय उपस्थित रहे।

इस अवसर पर दयानन्द महिला महाविद्यालय की प्राध्यापिकाएं डा. सोनिया चौहान, डा. रूकमेश चौहान, डा. मनजीत कौर तथा डा. आरती अग्रवाल आमंत्रित विदूषियों के रूप में उपस्थित रहीं। दीप-प्रज्ज्वलन से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। सर्वप्रथम डा. सोनिया चौहान, डा. रूकमेश चौहान, डा. मनजीत कौर तथा डा. आरती अग्रवाल ने गुरबाणी में निहित मानवीय आजादी के विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता परमजीत कौर ने मनुष्य के आंतरिक अवगुणों एवं मानसिक बेड़ियों से मुक्त होना मानवी आजादी का मूल बताया।

विशिष्ट अतिथि कुलदीप सिंह ने सभी गुरु साहिबान के द्वारा निर्देशित पथ पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रत्येक मनुष्य को अपने भीतर के भय से आजाद होना चाहिए। मानसिक परतन्त्रता ही सबसे बड़ा अभिशाप है। अध्यक्षीय स भाषण में हरियाणा ग्रंथ अकादमी के उपाध्यक्ष एवं निदेशक डा. वीरेन्द्र सिंह चौहान ने दस गुरूओं के अप्रतिम शौर्य एवं बलिदान गाथा का बखान किया और अपने पुरखों की ज्ञान पर परा का अनुसरण करने के लिए उपस्थित छात्राओं को प्रेरित किया। उन्होंने श्री कृष्ण के योगी एवं क्रान्तिकारी रूप को भी विश्लेषित किया। इस कार्यक्रम में मंच संचालन डा. सोनिया चौहान द्वारा किया गया। इस दौरान एक सांस्कृतिक साहित्य प्रश्नोतरी भी आयोजित हुई, जिसमें छात्राओं ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया एवं पुरस्कार भी प्राप्त किए। महाविद्यालय की प्राचार्या ने सभी सम्मिलित प्राध्यापिकाओं को बधाई दी, उन्होंने कहा कि गुरबाणी मनुष्य को शारीरिक रूप से ही नहीं बल्कि मानसिक रूप से भी आजाद रहने के लिए प्रेरित करती है। वर्तमान में गुरबाणी में निहित शिक्षाएं हम सभी को व्यावहारिक जीवन में अपनाने की आवश्यकता है।